Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day Exposure Visit of School Leaders/ CBSE Principals

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 14-02-2023**

हकेंवि में स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ संवाद आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए आपसी साझेदारी महत्त्वपूर्ण : कुलपति

- दो दिनों तक चलेगा विशेष आयोजन, शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में आपसी सहयोग पर जोर

नीरज कौशिक

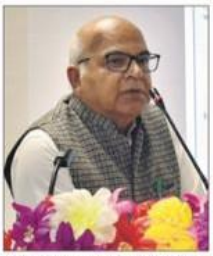

हकेंवि में संवाद कार्यक्रम में संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और प्रतिभागिता करने वाले प्रतिभागी, शिक्षक।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्षित उद्देश्यों की पूर्ति में निर्णायक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारम्भिक क्रियान्वयन स्कूली स्तर से संभव है और इस प्रयास में स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी। उशिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित 30 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के प्रिंसीपल्स सराहना के योग्य है, जो उन्होंने आपसी साझेदारी के इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलि होने में रूचि दिखाई। इसी क्रम में इस दो दिवसीय आयोजन के संयोजक प्रो. नंद किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और उसमें उपलब्ध भारतीय और भारतीयता का उल्लेख करते हुए उसके सफलतम क्रियान्वयन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। आयोजन में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में इस आयोजन को प्रारम्भिक शिक्षा व उच्च शिक्षा के बीच आपसी समन्वय व सहयोग का एक माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से ही इसके मूल उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। स्किल एजुकेशन, वोकेशनल एजुकेशन का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर हम देख रहे हैं कि वोकेशनल एजुकेशन के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए सौ फीसद रोजगार के लक्ष्य को सहज प्राप्त किया जा रहा है। हमारी शिक्षा नीति भी इसी उद्देश्य की पक्षधर है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के मोर्चे पर भी सबल बने।

उद्घाटन सत्र के पश्चात आयोजित सत्रों के क्रम में पहले सत्र में शैक्षणिक पक्षों संरचना एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रो. संजीव कुमार व प्रो. नंद किशोर ने दूसरे सत्र में कौशल विकास पर प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. प्रमोद कुमार ने, तीसरे सत्र में इंटर्नशिप, फिल्ड विजिट में संभावनाएं विषय पर डॉ. रेनु यादव ने विस्तार से चर्चा की। पहले दिन के चौथे सत्र में प्रतिभागियों ने शिक्षक शिक्षा विभाग के विभिन्न संसाधनों एवं प्रयोगशालाओं व विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का भ्रमण किया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया और दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन के तहत चलने वाले विभिन्न सत्रों, उनके विषय व उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-02-2023**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर मंथन

हकेंवि में दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में विचार रखते प्रो. टंकेश्वर।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारंभिक क्रियान्वयन स्कूली स्तर से संभव है और इस प्रयास में स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी।

शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि आयोजन में सम्मिलित 30 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के प्राचार्य सराहना के योग्य है ने आपसी साझेदारी के इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने में रुचि दिखाई। दो दिवसीय आयोजन के संयोजक प्रो. नंद किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर के साथ प्रतिभागी और शिक्षक। संवाद

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्कूली स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से ही इसके मूल उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। हमारी शिक्षा नीति भी इसी उद्देश्य की पक्षधर है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के मोर्चे पर भी सबल बने।

पहले सत्र में शैक्षणिक पक्षों संरचना एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रो. संजीव कुमार व प्रो. नंद किशोर ने दूसरे सत्र में कौशल विकास पर प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. प्रमोद कुमार ने, तीसरे सत्र में इंटर्नशिप, फील्ड विजिट में संभावनाएं विषय पर डॉ. रेनु यादव ने विस्तार से चर्चा की। पहले दिन के चौथे सत्र में प्रतिभागियों ने शिक्षक शिक्षा विभाग के विभिन्न संसाधनों, प्रयोगशालाओं व विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. एके यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अच्छी फोटोग्राफी के लिए विषय और तकनीक पर पकड़ बनाएं रखें विद्यार्थी : सक्सेना

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। फोटोग्राफी के लिए विद्यार्थियों में कैमरे की समझ होना जरूरी है। कैमरे की समझ के बिना अच्छा फोटोग्राफर बनना संभव नहीं है। अच्छी फोटोग्राफी के लिए विषय की समझ के साथ साथ कैमरे की तकनीक पर ध्यान देना भी जरूरी है। जो विद्यार्थी कैमरे को लेकर अपना तकनीकी ज्ञान बढ़ाएंगे वे ही इस क्षेत्र में कुछ अच्छा कर पाएंगे। यह विचार फोटोग्राफर चित्रांश सक्सेना ने सोमवार को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में कैनन व विभाग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में व्यक्त किए।

विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करवाया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को कैमरे व फोटोग्राफी के तकनीकी पहलुओं से अवगत करवाना था। मोबाइल कैमरे ने प्रत्येक व्यक्ति को फोटो क्लिक करने का अनुभव दिया है लेकिन प्रोफेशनल फोटोग्राफी के लिए अच्छा कैमरा होना बेहद ही आवश्यक है। उन्होंने व्यू फाइंडर शटर स्पीड, अपरचर, आईएसओ, डेफथ ऑफ फील्ड पिक्सल सहित विभिन्न तकनीकी पहलूओं से अवगत कराया।

उन्होंने कैमरे के रूप में उपलब्ध विभिन्न विकल्पों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान कैनन कंपनी के हरियाणा डिविजन के एक्सपर्ट गौरव ने विभिन्न फोटोग्राफी विधाओं जैसे फूड फोटोग्राफी, मैरिज फोटोग्राफी, मेटरनिटी फोटोग्राफी, ट्रेवल फोटोग्राफी, स्पोर्ट्स और एडवेंचर फोटोग्राफी के साथ-साथ अन्य फोटोग्राफी के बारे में बताया। फोटोग्राफी एक कला है और यह सजीव और निर्जीव चीजों का विशाल संसार कैनवास है जहां फोटोग्राफर अपनी समझ के अनुसार चीजों को चित्रित कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-02-2023**

हकेवि में स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ संवाद आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए आपसी साझेदारी महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्षित उद्देश्यों की पूर्ति में निर्णायक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारम्भिक क्रियान्वयन स्कूली स्तर से संभव है और इस प्रयास में स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी।

शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित 30 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के प्रिंसिपल सराहना के योग्य है, जो उन्होंने आपसी साझेदारी के इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने में रूचि दिखाई। उद्घाटन सत्र के पश्चात आयोजित सत्रों के क्रम में पहले सत्र में शैक्षणिक पक्षों संरचना एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रो. संजीव कुमार व प्रो. नंद किशोर ने दूसरे सत्र में कौशल विकास पर प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. प्रमोद कुमार ने, तीसरे सत्र में इंटर्नशिप, फिल्ड विजिट में संभावनाएं विषय पर डॉ. रेनु यादव ने विस्तार से चर्चा की। पहले दिन के चौथे सत्र में प्रतिभागियों ने शिक्षक शिक्षा विभाग के विभिन्न संसाधनों एवं प्रयोगशालाओं व विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का भ्रमण किया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया और दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन के तहत चलने वाले विभिन्न सत्रों, उनके विषय व उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-02-2023**

दो दिनी विशेष संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्षित उद्देश्यों की पूर्ति में निर्णायक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारम्भिक क्रियान्वयन स्कूली स्तर से संभव है और इस प्रयास में स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी। शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित 30 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)

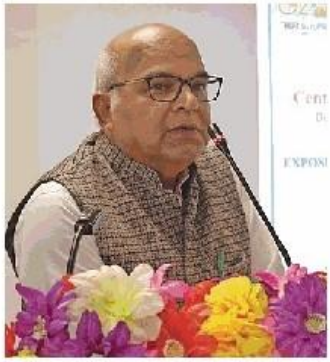

हकेंवि में संवाद कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के प्रिंसिपल सराहना के योग्य हैं, जो उन्होंने आपसी साझेदारी के इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलि होने में रुचि दिखाई। इसी क्रम में इस दो दिवसीय आयोजन के संयोजक प्रो. नंद किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और उसमें उपलब्ध भारतीय और भारतीयता का उल्लेख करते हुए उसके सफलतम क्रियान्वयन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। आयोजन में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में इस आयोजन को प्रारम्भिक शिक्षा व उच्च शिक्षा के बीच आपसी समन्वय व सहयोग का एक माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से ही इसके मूल उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। स्किल एजुकेशन, वोकेशनल एजुकेशन का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर हम देख रहे हैं कि वोकेशनल एजुकेशन के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए सौ फीसद रोजगार के लक्ष्य को सहज प्राप्त किया जा रहा है। हमारी शिक्षा नीति भी इसी उद्देश्य की पक्षधर है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के मोर्चे पर भी सबल बने।

उद्घाटन सत्र के पश्चात आयोजित सत्रों के क्रम में पहले सत्र में शैक्षणिक पक्षों संरचना एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रो. संजीव कुमार व प्रो. नंद किशोर ने दूसरे सत्र में कौशल विकास पर प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. प्रमोद कुमार ने, तीसरे सत्र में इंटर्नशिप, फिल्ड विजिट में संभावनाएं विषय पर डॉ. रेनु यादव ने विस्तार से चर्चा की। पहले दिन के चौथे सत्र में प्रतिभागियों ने शिक्षक शिक्षा विभाग के विभिन्न संसाधनों एवं प्रयोगशालाओं व विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का भ्रमण किया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया और दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन के तहत चलने वाले विभिन्न सत्रों, उनके विषय व उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डा. आरती यादव ने किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. एके यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह, प्रो. रणबीर सिंह, डा. रेनु यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-02-2023**

दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए साझेदारी महत्वपूर्णः प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्राचार्य के साथ संवाद आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। संवाद कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाले प्रतिभागी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्षित उद्देश्यों की पूर्ति में निर्णायक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारम्भिक क्रियान्वयन स्कूली स्तर से संभव है और इस प्रयास में स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी।

शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित 30 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के प्रिंसीपल्स सराहना के योग्य है, जो उन्होंने आपसी साझेदारी के इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने में रूचि दिखाई। इसी क्रम में इस दो दिवसीय आयोजन के संयोजक प्रो. नंद किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और उसमें उपलब्ध भारतीय और भारतीयता का उल्लेख करते हुए उसके सफलतम क्रियान्वयन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. एके यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

संभावनाएं विषय पर विस्तार से की चर्चा

आयोजन में मुख्यातिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में इस आयोजन को प्रारम्भिक शिक्षा व उच्च शिक्षा के बीच आपसी समन्वय व सहयोग का एक माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से ही इसके मूल उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। स्किल एजुकेशन, वोकेशनल एजुकेशन का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर हम देख रहे हैं कि वोकेशनल एजुकेशन के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए सौ फीसद रोजगार के लक्ष्य को सहज प्राप्त किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र के पश्चात आयोजित सत्रों के क्रम में पहले सत्र में शैक्षणिक पक्षों संरचना एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रो. संजीव कुमार व प्रो. नंद किशोर ने दूसरे सत्र में कौशल विकास पर प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. प्रमोद कुमार ने, तीसरे सत्र में इंटर्नशिप, फिल्ड विजिट में संभावनाएं विषय पर डॉ. रेनु यादव ने विस्तार से चर्चा की। मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 14-02-2023**

Two Day visit of school leaders and CBSE schools principals organised at CUH

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: A two-day special program with school leaders and principals of CBSE schools for the successful implementation of the new National Education Policy (NEP) by the Department of Teacher Education, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh was inaugurated on Monday. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that the initial implementation of the National Education Policy is possible from the school level and in this effort mutual cooperation and partnership between schools and higher educational institutions will deliver remarkable results. Prof. Sarika Sharma, Dean, School of Education highlighted the importance of the event. He said that the principals of more than 30 Central Board of Secondary Education (CBSE) affiliated schools participating in the event deserve appreciation for their interest in being actively involved in this endeavor of mutual partnership. In this sequence, the coordinator of this two-day event, Prof. Nand Kishore presented the outline of the program and highlighted the various aspects of the new National Education Policy. While mentioning the Indian and Indianness available in it, he also mentioned the challenges before its successful implementation.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-02-2023**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए आपसी सांझेदारी महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

स्कूल लीडर्स व सी.बी.एस.ई. स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ संवाद आयोजित

महेंद्रगढ़, 13 फरवरी (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्कूल लीडर्स व सी.बी.एस.ई. स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ 2 दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ हुआ।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्षित उद्देश्यों की पूर्ति में निर्णायक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारम्भिक क्रियान्वयन स्कूली स्तर से संभव है और इस प्रयास में स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी सांझेदारी उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगी।

शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आयोजन में सम्मिलित 30 से अधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त स्कूलों के प्रिंसीपल्स सराहना के योग्य है, जो उन्होंने आपसी सांझेदारी के इस प्रयास में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने में रुचि दिखाई।

हकेंवि में संवाद कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाले प्रतिभागी, शिक्षक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

इसी क्रम में इस 2 दिवसीय आयोजन के संयोजक प्रो. नंद किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और उसमें उपलब्ध भारतीय और भारतीयता का उल्लेख करते हुए उसके सफलतम क्रियान्वयन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। आयोजन में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में इस आयोजन को प्रारम्भिक शिक्षा व उच्च शिक्षा के बीच आपसी समन्वय व सहयोग का एक माध्यम बताया।

वोकेशनल एजुकेशन के माध्यम से सौ फीसदी रोजगार के लक्ष्य को सहज प्राप्त किया जा रहा है : उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से ही इसके मूल उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। स्किल एजुकेशन, वोकेशनल एजुकेशन का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर हम देख रहे हैं कि वोकेशनल एजुकेशन के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए सौ फीसदी रोजगार के लक्ष्य को सहज प्राप्त किया जा रहा है। हमारी शिक्षा नीति भी इसी उद्देश्य की पक्षधर है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास के मोर्चे पर भी सबल बने।

उद्घाटन सत्र के पश्चात आयोजित सत्रों के क्रम में पहले सत्र में शैक्षणिक पक्षों संरचना एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रो. संजीव कुमार व प्रो. नंद किशोर ने दूसरे सत्र में कौशल विकास पर प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. प्रमोद कुमार ने, तीसरे सत्र में इंटनरशिप, फील्ड विजिट में संभावनाएं विषय पर डॉ. रेनु यादव ने विस्तार से चर्चा की।

पहले दिन के चौथे सत्र में प्रतिभागियों ने शिक्षक शिक्षा विभाग के विभिन्न संसाधनों एवं प्रयोगशालाओं व विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का भ्रमण किया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. गौरव सिंह, प्रो. रणबीर सिंह, डॉ. रेनु यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-02-2023**

शिक्षा

हकेंवि में स्कूल लीडर्स, सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ संवाद कार्यक्रम का हुआ समापन

विद्यार्थियों की योग्यता और क्षमता को पहचानें शिक्षक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन के लिए स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का समापन हो गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के स्तर पर यह आयोजन अवश्य ही प्रारंभिक व उच्च शिक्षा के स्तर पर आपसी साझेदारी विकसित करने में मददगार साबित होगा। कुलपति ने इस आयोजन के लिए शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोगियों की भी सराहना की। कार्यक्रम के समापन सत्र की शुरूआत में प्रो. प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि व प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. नंद किशोर ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह आपसी साझेदारी भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल व उच्च शिक्षण संस्थान मिलकर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वर्णित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। कुलपति ने शिक्षकों को विद्यार्थियों की योग्यता व क्षमता पहचान कर उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। प्रतिभागियों ने प्रो. पवन कुमार मौर्य के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीवन विज्ञान की प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। मंच संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव यादव ने किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विशेष संवाद के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

जम्मू विश्वविद्यालय में किया शोध पत्र का वाचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग के शोधार्थियों ने जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 9 से 10 फरवरी को आयोजित सेमिनार में भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शोधार्थियों की सराहना की है। सेमिनार में विवि के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना के निर्देशन में शोधार्थी भावना और प्रिया ने भारतीय राज्यों में मानव विकास और गरीबी में कमी के साथ सामाजिक व्यय की समानता का आकलन सतत विकास लक्ष्यों के निहितार्थ विषय पर शोध पत्र का वाचन किया। प्रो. आशीष माथुर के निर्देशन में शोधार्थी मनीषा, काजल ने महिलाओं और बाल विकास के लिए भारत में कल्याणकारी योजनाओं पर एक अध्ययन पर अपना पत्र वाचन किया। शोधार्थी मोहित, प्रेरणा और अनु ने ऑनलाइन और आमने-सामने शिक्षण विधियों के बीच तुलना विषय पर पत्र वाचन किया। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-02-2023**

हकेवि में स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ हुआ संवाद कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्कूल लीडर्स व सीबीएसई स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ दो दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के स्तर पर यह आयोजन अवश्य ही प्रारम्भिक व उच्च शिक्षा के स्तर पर आपसी साझेदारी विकसित करने में मददगार साबित होगा। कुलपति ने इस आयोजन के लिए शिक्षक शिक्षा विभाग के सहयोगियों की भी सराहना की। कार्यक्रम के समापन सत्र की शुरुआत में प्रो. प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि व प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए और इस कार्यशाला से हुए अनुभवों पर विस्तार से अपनी बात रखी। इसके पश्चात प्रो. नंद किशोर ने दो 3 दिवसीय कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने लायजलिंग फॉर फ्यूचर नेटवर्किंग एंड ऑप्रच्यूनिटीज पर, शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. गौरव सिंह ने क्षमता निर्माण व संसाधन साझेदारी पर तथा शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. दिनेश चहल ने कौशल के माध्यम से गतिशीलता के अवसर विषय पर विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत किए।

इसके बाद प्रतिभागियों ने प्रो. पवन कुमार मौर्य के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीवन विज्ञान की प्रयोगशालाओं व सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन का दौरा कर वहां चल रहे विभिन्न जनहितैषी कार्यों को देखा। आयोजन के दौरान मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव यादव ने किया। आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और शिक्षा पीठ के प्रो. गौरव सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 15-02-2023**

स्कूल लीडर्स व सी.बी.एस.ई. स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ संवाद कार्यक्रम का समापन

■ कुलपति ने प्रतिभागियों को प्रदान किए प्रमाण-पत्र

महेंद्रगढ़, 14 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन हेतु स्कूल लीडर्स व सी.बी.एस.ई. स्कूलों के प्रिंसीपल्स के साथ 2 दिवसीय विशेष संवाद कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के स्तर पर यह आयोजन अवश्य ही प्रारम्भिक व उच्च शिक्षा के स्तर पर आपसी सांझेदारी विकसित करने में मददगार साबित होगा।

2 दिवसीय विशेष संवाद के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने इस आयोजन के लिए शिक्षा विभाग के सहयोगियों की भी सराहना की।

कार्यक्रम के समापन सत्र की शुरूआत में प्रो. प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि व प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए और इस कार्यशाला से हुए अनुभवों पर विस्तार से अपनी बात रखी।

इसके पश्चात प्रो. नंद किशोर ने 2 दिवसीय कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अवश्य ही यह आपसी सांझेदारी भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल व उच्च शिक्षण संस्थान मिलकर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वर्णित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए और शिक्षा पीठ के प्रो. गौरव सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस मौके पर प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार सहित शिक्षा पीठ के शिक्षकों सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।